शहादत की मौत

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

नोट : नीचे दी गई तमाम रिवायते, हदीष का खुलासा है.

1} शहीद के अलावा शहादत की मौत

अबू दाउद और नसाई | रावी हज़रत जाबिर बिन अतीक रदी.

नबी करीमﷺ ने फरमाया अल्लाह की राह मे मारे जाने वाले शहीद के अलावा शहादत की मौत सात किस्म की होती हे-

1] ताउन (प्लेग) से मरने वाला.

2] पानी मे डूबकर मरने वाला.

3] पहल (करवट, पस्ली) के दर्द मे मरने वाला.

4] पेट की बीमारी मे मरने वाला.

5] किसी चीज़ के नीचे दबकर मरने वाला.

6] आग मे जलकर मरने वाला.

7] बच्चे को जन्म देते वकत मरने वाली औरत.

2} शहीद लोग और बिस्तर पर मरने वाले

अहमद और नसाई | रावी हज़रत इरबाज़ बिन सारिया रदी.

नबी करीमﷺ का फरमान हे कि शहीद लोग और लम्बी बीमारी की वजह से बिस्तर पर मरने वाले, उन लोगो के बारे मे अपने रब तआला से झगडेंगे जो ताउन की बीमारी से मरे.

शहीद हझरात कहेगे कि ये हमारे साथी हे जैसे हम कत्ल हुए यह भी कत्ल हुए बल्कि बिस्तर पर मरने वाले कहेगे कि ये हमारे भाई हे जैसे हम फौत हुए यह भी बिस्तर पर फौत हुए.

हमारा रब फैसला फरमायेगा, इनके ज़ख्म देखो अगर इनके ज़ख्म कत्ल होने वालो के ज़ख्मो के जैसे हे तो ये उनमे से हे और उनके साथी हे. जब देखा जायेगा तो उनके ज़ख्म शहीदो के ज़ख्मो के जैसे होगे.